संत के माध्यम से अपनी बात भक्तों तक पहुंचाते हैं भगवान : स्वामी अवधेशानंद गिरि

दंदरौआ धाम में कलश यात्रा के साथ वाल्मीकि कृत श्रीराम कथा का आयोजन शुरू, 151 कलशों के साथ मंदिर परिसर से पांच किलोमीटर तक निकाली गई कलश यात्रा

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। जिले के दंदरौआ धाम में गुरु महाराज श्रीश्री 1008 पुरुषोत्तमदास महाराज महंत बाबा की पुण्य स्मृति में 29वां वार्षिक महोत्सव रविवार को श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर मंहत रामदास महाराज के सानिध्य में आरंभ हो गया। आयोजन के प्रथम दिवस दंदरौआ धाम में सुबह 10 बजे 151 कलशों के साथ मंदिर परिसर से करीब पांच किलोमीटर तक कलश यात्रा निकाली गई।

कलश यात्रा के साथ श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर मंहत रामदास महाराज, मंहत अनिरुद्धवन महाराज धूमेश्वरधाम, महंत कालिदास महाराज तेजपुरा रथ पर सवार होकर चल रहे थे। साथ ही कथा पारीक्षित माता बृजेश उपाध्याय संत समाज एवं महिलाओं के साथ वाल्मीकि कृत श्रीराम कथा की पोथी को सिर पर धारण करके चले। बैंड बाजों की धुन पर भगवान श्रीराम और हनुमानजी के भजनों पर थिरकते भक्तों ने संतों के साथ दंदरौआ धाम में धूमधाम से 151 कलशों के साथ करीब पांच किलोमीटर लम्बी यात्रा निकाली गई।

संत भगवान की ही विभूति है: यात्रा के वापस कथा परिसर में आते ही श्रीगणेश पूजन के बाद श्रीराम कथा का वाचन कथा व्यास स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कथा के महत्व को समझाते हुए कहा कि जब भी भगवान के मन में कुछ आता है तो वे संत के माध्यम से अपनी बात भक?तों तक पहुंचाते हैं। संत अगर आज्ञा दे रहे हैं, संत अगर कोई विचार या कोई प्रेरणा दे रहे है तो वह संत नहीं कह रहे हैं बल्कि भगवान नारायण अपनी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। संत भगवान की ही विभूति है। उन्होंने कहा कि तीर्थ दो प्रकार के होते हैं, एक तीर्थ होता है जहां हमें जाना पड़ता है और एक तीर्थ वह होता है जो स्वयं चलकर आता है, जहां हमें जाना नहीं पड़ता वह तीर्थ संत हैं।

भारत की संस्कृति में धरती को माता कहा जाता है: कथा व्यास ने कहा कि हमारे भारत की संस्कृति ऐसी है कि आप कितने भी अच्छे पकवान और व्यंजनों को बना लो वह प्रसाद नहीं कहलाता है लेकिन जब आप उसमें तुलसी डालते हैं तो वह प्रसाद बन जाता है। पौधों और वनस्पतियों में भी भगवान हैं, प्रतिमाओं में प्राण प्रतिष्ठा करते हैं भारत की संस्कृति में धरती को माता कहा जाता है। उन्होंने कहा कि दंदरौआ धाम के आकार हमें वैसा ही अनुभव हो रहा है जैसे चारधाम और 12 ज्योतिर्लिंगों में अनुभव होता है। यहां शांत वातावरण का अनुभव हो रहा है। यहां हनुमान जी केवल शरीर के ही कष्ट को दूर नहीं करते बल्कि अज्ञानता को भी दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि ध्यान रखना हनुमान जी ना देव है ना मानुष लेकिन वह कोई और नहीं वह तो स्वयं महादेव हैं। कथा का वाचन रोजाना दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक किया जाएगा। यज्ञाचार्य रामस्वरूप शास्त्री के सानिध्य में विश्वशांति और समाज कल्याण के लिए श्रद्धालु आहुतियां देंगे। कार्यक्रम में मंच संचालन पवन शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर यज्ञाचार्य पं. रामस्वरूप शास्त्री, मंहत अनिरुद्धवन महाराज धूमेश्वरधाम, महंत कालिदास महाराज तेजपुरा, कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, रामबरन पुजारी, राजेन्द्र शास्त्री, जलज त्रिपाठी, प्रमोद चौधरी ओमप्रकाश पुरोहित, अशोक पाराशर सहित हजारों श्रद्धालु शामिल रहे।

आरटीओ की अनदेखी : सड़क पर बेखौफ दौड़ रहे अधूरे नंबर के वाहन, जिम्मेदार नहीं कर रहे कार्रवाई

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। अंचल में रेत-गिट्टी के वाहन लोगों के लिए परेशानी बन रहे हैं। तमात सख्ती के बाद भी लहार, अमायन गोहद क्षेत्र से अभी भी कई वाहन रेत-गिट्टी लेकर निकल रहे हैं जो ओवर लोड हैं या फिर जिनके पास रायल्टी नहीं हैं। सबसे बड़ी बात तो यह कि तमाम सख्त कार्रवाई और चैकिंग के बाद भी रेत-गिट्टी के जो डंपर सड़कों पर दौड़ रहे हैं उनमें कई की नंबर प्लेट अधूरी दिखाई देती हैं तो कुछ पर तो नंबर ही नहीं दिखाई देती हैं। इसके बाद भी इन वाहनों पर कार्रवाई के लिए कोई जिम्मेदार नहीं दिखाई देते हैं।

यहां बता दें, कि रेत माफिया पर अंकुश लगाने इस समय राजस्व और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से काम कर रहा है। लेकिन इसके बाद भी जिले में वाहनों पर असर नहीं दिखाई दे रहा है। जब इतनी खख्ती की जा रही है तो फिर सवाल उठता है कि जो डंपर चल रहे हैं और भले ही वैध रूप से रेत ले जा रहे हों लेकिन उनकी नंबर प्लेट तक चैक क्यों नहीं की जा रही हैं। इनके नंबर तो दिखाई ही नहीं देते हैं। कुछ के दिखाई देते हैं तो ऊपर की लाइन तो रहती है लेकिन नीचे के नंबर मिटा दिए जाते हैं। इस तरह के एक दो नहीं बल्कि दर्जनों डंपर इस समय यहां सड़कों पर दौड़ रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों को कोई परवाह नहीं है।

सड़क हादसों का बना रहता है खतरा: इस रेत के कारोबार में लोगों की जान को भी खतरा बना हुआ है। आए दिन तेज गति से चलने वाले इन डंपरों के कारण सड़क हादसे होते हैं। समस्या उस समय और बढ़ जाती है जब टक्कर मारने वाले डंपर का नंबर ही नहीं होता है। ऐसे में दुर्घटनाग्रस्त हुए व्यक्ति की कोई भी मदद नहीं हो पाती है। हादसे के समय यदि कोई देख भी ले तो भी नंबर सही नहीं लिखा होने से कोई उस वाहन के बारे में पुलिस को जानकारी नहीं दे पाता है। ऐसे डंपर चालक बच जाते हैं। इतना सब होने के बाद भी जिम्मेदार इस अनदेखी की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं।

विधिक सेवा दिवस पर 'न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह' का शुभारंभ, न्याय सबके लिए थीम पर निकली मैराथन दौड़

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष के.एस. बारिया के निर्देशानुसार एवं न्यायाधीश/सचिव अनुभूति गुप्ता के मार्गदर्शन में 09 नवम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में न्यायोत्सव: विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य विधिक सेवा योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना, जन-सामान्य में कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और न्याय तक आमजन की पहुँच सुनिश्चित करना है।

फिजिकल ट्रेनिंग कोच श्री शिवम तोमर एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

न्याय सबके लिए थीम पर मैराथन दौड़ का आयोजन: कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर रविवार को शासकीय विश्राम गृह से जिला न्यायालय परिसर तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एस. बारिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। मैराथन की थीम न्याय सबके लिए रखी गई, जिसका उद्देश्य गरीब, असहाय और वंचित वर्गों तक नालसा एवं सालसा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना था। मैराथन में न्यायाधीशगण, अधिवक्ता, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, पैरालीगल वॉलेंटियर्स और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस आयोजन में

विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारंभ: मैराथन के बाद जिला न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ के.एस. बारिया ने रिबन काटकर किया। प्रदर्शनी में नालसा एवं सालसा की विभिन्न योजनाओं जैसे नेशनल लोक अदालत, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम, नि:शक्तजन अधिकार योजना, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता (मेडिएशन), लीगल एड क्लीनिक, प्ली बारगेनिंग, आदि से संबंधित जानकारी को

सब्जी मंडी में चल रही रामलीला में हुआ सीता हरण प्रसंग का भावपूर्ण मंचन

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। मालनपुर सब्जी मंडी परिसर में चल रही रामलीला के तहत कलाकारों द्वारा सीता हरण प्रसंग का जीवंत मंचन किया गया। मंचन में रावण,

रावण के छल और जटायु के पराक्रम ने किया दर्शकों को भावविभोर

मारीच, राम, लक्ष्मण और सीता के संवादों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कथानक के अनुसार, रावण ने अपनी बहन शूर्पणखा के अपमान का बदला लेने और अपनी इच्छा पूर्ण करने के लिए एक योजना बनाई। योजना के तहत उसने अपने मामा मारीच को सोने का मृग बनने का आदेश दिया। जब वह मृग पंचवटी में भटकने लगा, तो सीता ने उसे देखकर राम से लाने का आग्रह किया।

रावण ने साधु का वेश धारण कर किया छल: जब राम और लक्ष्मण हिरण के पीछे गए, तभी रावण ने साधु का वेश धारण किया और कुटिया में प्रवेश कर सीता का हरण कर लिया। रास्ते में पक्षीराज जटायु ने वीरतापूर्वक सीता को बचाने का प्रयास किया, किंतु रावण ने उनके पंख काट दिए और सीता को अपनी दिव्य पुष्पक रथ में बिठाकर लंका की ओर प्रस्थान किया। इस दृश्य ने दर्शकों के बीच करुणा और रोष दोनों ही भाव उत्पन्न किए।

स्थानीय कलाकारों ने किया शानदार अभिनय: राम का अभिनय धर्मवीर शर्मा, लक्ष्मण का राजा शर्मा, रावण का अनूप शर्मा, एवं व्यास जी की भूमिका कमलेश शर्मा द्वारा निभाई गई। सभी कलाकारों ने अपने प्रभावी संवादों और अभिव्यक्तियों से रामलीला के इस महत्वपूर्ण प्रसंग को जीवंत बना दिया।

समिति पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित: इस अवसर पर ग्वालियर नवदुर्गा रामलीला सेवा समिति के अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह, श्रीकृष्ण मुरारी मिश्रा, धर्मवीर शर्मा, पार्षद सुरेंद्र कांकर, डी.के. शर्मा, रामबाबू शर्मा, जितेंद्र बाबूजी, अजय शर्मा, आशीष पाराशर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासियों का सहयोग सराहनीय रहा। आयोजन समिति ने बताया कि रामलीला के आगामी दिनों में हनुमान मिलन और लंका दहन जैसे प्रमुख प्रसंगों का मंचन किया जाएगा।

लहार में कांग्रेस ने बी.एल.ए. प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर बूथ स्तर पर संगठन को किया मजबूत

पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कार्यकर्ताओं को एकजुटता और जनसंपर्क का दिया संदेश

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। लहार विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन को बूथ स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से बी.एल.ए. (बूथ लेवल एजेंट) की एक महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह बैठक मंगलम गार्डन लहार और कांग्रेस कार्यालय दबोह में संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और बूथ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में मध्य प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर संगठन को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे

आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहें और कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएं।

संगठन की नीतियों और चुनावी रणनीति पर दी गई ट्रेनिंग: बैठक में कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों, मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान, और जनता तक पहुंचने के प्रभावी तरीकों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। संतोष त्रिपाठी ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया और बी.एल.ए. की भूमिका, मतदाता सूची के प्रबंधन और बूथ संचालन से जुड़ी बारीकियों पर जानकारी दी।

नेताओं ने संगठनात्मक एकता पर दिया बल: प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व शहर जिलाध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सफलता की नींव बूथ पर खड़े हमारे बी.एल.ए. हैं। जब हर बूथ पर संगठन मजबूत होगा, तभी जनता के बीच पार्टी की पकड़ मजबूत होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन और एकजुटता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की रही उपस्थिति: बैठक में प्रमुख रूप से उदय प्रताप सिंह सेंगर, नरेश सिंह चौहान, अनिरुद्ध प्रताप सिंह, केशव सिंह दद्दू, खेमरिया (दबोह कार्यालय प्रमुख), एवं शिशुपाल सिंह भदौरिया मौजूद रहे। सभी ने कांग्रेस के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प दोहराया।

ट्रांसफार्मर रखने को लेकर विवाद, अनुसूचित जाति की महिला से मारपीट, सिर में आई गंभीर चोट

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। नयागांव थाना क्षेत्र के हार का पुरा गांव में ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। इस दौरान गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने एक दलित महिला के साथ मारपीट कर दी, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल भिंड में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, करीब 10 दिन पहले भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाहा द्वारा हार का पुरा गांव के मोहल्ले के लिए एक ट्रांसफार्मर स्वीकृत कराया गया था। हाल ही में ट्रांसफार्मर गांव में लाया गया, लेकिन उसे रखने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। फरियादी संतोष जाटव ने बताया कि जब वे ट्रांसफार्मर रखने जा रहे थे, तभी

गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और विवाद करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान जब उनकी मां बीच-बचाव करने पहुंचीं, तो उन पर भी लाठी-डंडों से हमला किया गया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। संतोष के मुताबिक, आरोपियों ने दबंगई दिखाते हुए कहा कि यह ट्रांसफार्मर हमारे क्षेत्र में रखा जाएगा, तुम अपने इलाके में नहीं रख सकते। इसी बात को लेकर विवाद गहराया और झगड़ा मारपीट में बदल गया। घटना की सूचना मिलने पर नयागांव थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, साथ ही आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अच्छे संस्कारों से बनते हैं ध्रुव जैसे महान

मेहगांव। विधानसभा क्षेत्र ग्राम महायर (रेमुजा) में हनुमान मंदिर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस में कथा व्यास पंडित सोमेश शास्त्री (अमायन वाले) ने ध्रुव चरित्र सुनाते हुए बताया हर मनुष्य की दो प्रकार की बुद्धि होती है सुनीति एवम् सुरुचि, जो शास्त्रों में बताया उसी रास्ते पर जो चलता है उनके ध्रुव होते हैं, जो अपने मनमुखी हिसाब से चलता है उनके क्षणिक सुख देने वाला उतम होता है जो केवल देखने में अच्छा लगता है। आज समय है अपने बच्चों को संस्कार अवश्य दें, संस्कार हीन शिक्षा बहुत ही हानिकारक हैं आज देखिए जिस भारत देश में श्रवण कुमार अपने माता पिता को तीर्थ यात्रा कराते थे उसी देश में आज जगह जगह वृद्धाश्रम बने है और हर वृद्धाश्रम भरे पड़े है, ये सब संस्कार हीन शिक्षा का परिणाम है। आज कथा के माध्यम से यही संदेश है अपने बच्चों को संस्कार अवश्य दें।

डीजल का पैसा न देने पर पेट्रोल पंप में कार घुसाई, तीन आरोपी फरार

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 9 नवम्बर। अमायन थाना क्षेत्र के कनाथर गांव के पास स्थित कैला देवी पेट्रोल पंप पर उपद्रव करने वाले तीन युवकों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने पहले डीजल डलवाया लेकिन भुगतान नहीं किया, और जब पंप कर्मियों ने विरोध किया तो उन्होंने कार से ऑफिस की दीवार में टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, घटना 6 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे की है। कनाथर निवासी विवेक गुर्जर, संजीव गुर्जर और अरुण गुर्जर अपनी कार से कैला देवी पेट्रोल पंप पहुंचे थे। तीनों ने डीजल

डलवाने के बाद पैसे देने से इनकार कर दिया। जब पंप मैनेजर अवधेश त्यागी ने रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने गाली-गलौज की और धमकी देकर चले गए। कुछ देर बाद तीनों आरोपी शराब के नशे में दोबारा पंप पर लौटे और अपनी कार को तेज गति से चलाते हुए ऑफिस की दीवार में टक्कर मार दी, जिससे दीवार टूट गई और ऑफिस का सामान क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की शिकायत पंप संचालक द्वारा अमायन थाना पुलिस में की गई थी, लेकिन पुलिस ने तीन दिन तक कार्रवाई नहीं की। इसके बाद पीड़ित संचालक ने वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया, जिनके हस्तक्षेप के बाद अमायन थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

अवैध रेत उत्खनन में खनिज माफियाओं और अधिकारियों की मिलीभगत - रामशेष बघेल

नवभारत न्यूज

मेहगांव, 9 नवम्बर। जिले की खदानों में अभी तक वैध रेत उत्खनन शुरू नहीं होने के बावजूद खनिज माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल ने कहा कि अवैध रेत उत्खनन को लेकर आये दिन झगड़े-फसाद होते रहते हैं, यहां तक

अवैध रेत उत्खनन बंद नहीं हुआ तो कांग्रेस करेगी आंदोलन

कि यह झगड़े बढ़कर हत्या जैसे जघन्य अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि अमायन के खुर्द बरेठी में घटित हुई घटना अवैध रेत

उत्खनन का ही परिणाम है।

बघेल ने कहा कि जिले में अवैध रेत उत्खनन पर प्रशासनिक सख्ती नहीं है, बल्कि खनिज विभाग के अधिकारी और स्थानीय प्रशासनिक अमला रेत माफियाओं पर कार्रवाई करने से बचते नजर आते हैं। नए खनिज अधिकारी होने के बाद भी उनके द्वारा अब तक किसी खदान पर औचक निरीक्षण नहीं किया गया है। बघेल ने कहा कि खनिज अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों की ढिलाई साफ जाहिर है।